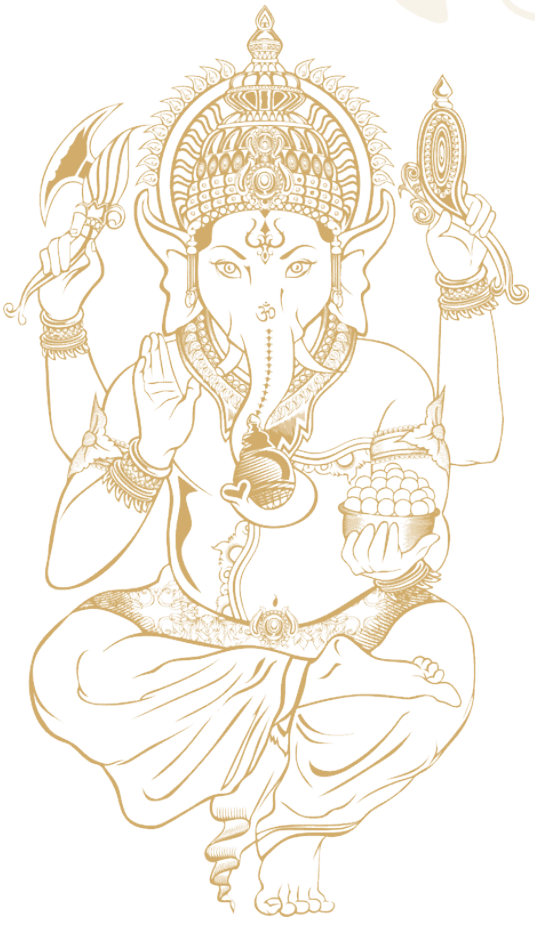

Hemalata ra

04 Sep 2002

03:15 AM

Dhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120898103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**3-04/09/2002**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:15:00 घंटे**
इष्ट	52:38:35 घटी
स्थान	**Dhar**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	22:32:00 उत्तर
रेखांश	75:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:46:36 घंटे
वेलान्तर	00:00:32 घंटे
साम्पातिक काल	01:38:01 घंटे
सूर्योदय	06:11:33 घंटे
सूर्यास्त	18:43:41 घंटे
दिनमान	12:32:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:19:11 सिंह
लग्न के अंश	07:03:04 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	ही-हिना
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:03:04	316:11:59	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			सिंह	17:19:11	00:58:09	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			कर्क	03:16:47	13:56:00	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	स्वराशि
मंगल		अ	सिंह	09:28:50	00:38:11	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			कन्या	14:15:36	00:50:08	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	उच्च राशि
गुरु			कर्क	13:11:55	00:12:07	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	उच्च राशि
शुक्र			तुला	02:36:25	00:51:12	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मूलत्रिकोण
शनि			मिथु	03:55:47	00:03:54	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	19:48:44	00:06:06	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	19:48:44	00:06:06	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	02:22:51	00:02:17	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
नेप	व		मक	14:51:31	00:01:19	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:01:49	00:00:17	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	02:31:23	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:24

लग्न-चलित

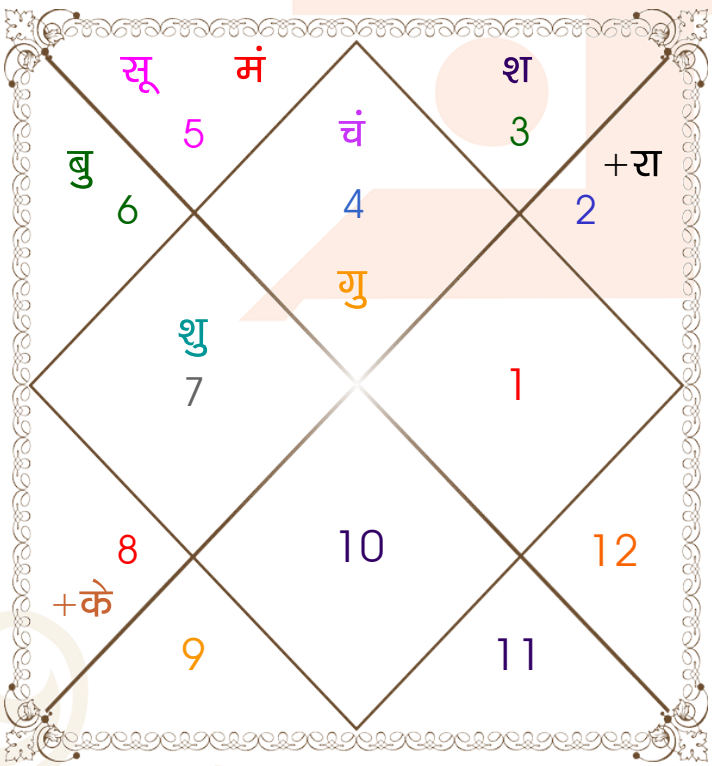

चन्द्र कुंडली

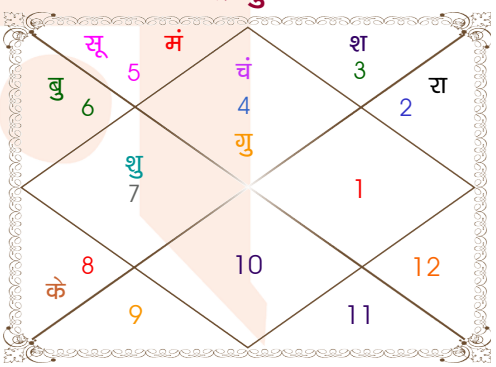

नवमांश कुंडली

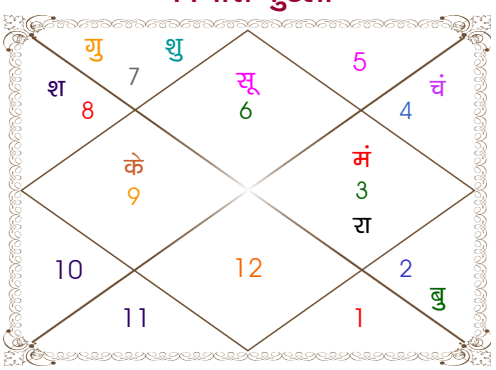

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 0 मास 23 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/09/2002		27/09/2002		27/09/2021		27/09/2038		27/09/2045	
27/09/2002		27/09/2021		27/09/2038		27/09/2045		27/09/2065	
	00/00/0000	शनि	30/09/2005	बुध	24/02/2024	केतु	23/02/2039	शुक्र	26/01/2049
	00/00/0000	बुध	09/06/2008	केतु	20/02/2025	शुक्र	24/04/2040	सूर्य	27/01/2050
	00/00/0000	केतु	19/07/2009	शुक्र	22/12/2027	सूर्य	30/08/2040	चंद्र	27/09/2051
	00/00/0000	शुक्र	17/09/2012	सूर्य	27/10/2028	चंद्र	31/03/2041	मंगल	27/11/2052
	00/00/0000	सूर्य	30/08/2013	चंद्र	29/03/2030	मंगल	27/08/2041	राहु	27/11/2055
	00/00/0000	चंद्र	01/04/2015	मंगल	26/03/2031	राहु	15/09/2042	गुरु	28/07/2058
	00/00/0000	मंगल	10/05/2016	राहु	12/10/2033	गुरु	22/08/2043	शनि	27/09/2061
	04/09/2002	राहु	17/03/2019	गुरु	18/01/2036	शनि	30/09/2044	बुध	28/07/2064
राहु	27/09/2002	गुरु	27/09/2021	शनि	27/09/2038	बुध	27/09/2045	केतु	27/09/2065

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/09/2065		27/09/2071		27/09/2081		27/09/2088		28/09/2106	
27/09/2071		27/09/2081		27/09/2088		28/09/2106		05/09/2122	
सूर्य	14/01/2066	चंद्र	28/07/2072	मंगल	23/02/2082	राहु	10/06/2091	गुरु	15/11/2108
चंद्र	16/07/2066	मंगल	26/02/2073	राहु	14/03/2083	गुरु	02/11/2093	शनि	30/05/2111
मंगल	21/11/2066	राहु	28/08/2074	गुरु	17/02/2084	शनि	08/09/2096	बुध	04/09/2113
राहु	16/10/2067	गुरु	28/12/2075	शनि	28/03/2085	बुध	29/03/2099	केतु	10/08/2114
गुरु	03/08/2068	शनि	28/07/2077	बुध	25/03/2086	केतु	16/04/2100	शुक्र	10/04/2117
शनि	16/07/2069	बुध	27/12/2078	केतु	22/08/2086	शुक्र	17/04/2103	सूर्य	28/01/2118
बुध	22/05/2070	केतु	29/07/2079	शुक्र	22/10/2087	सूर्य	11/03/2104	चंद्र	30/05/2119
केतु	27/09/2070	शुक्र	28/03/2081	सूर्य	27/02/2088	चंद्र	10/09/2105	मंगल	05/05/2120
शुक्र	27/09/2071	सूर्य	27/09/2081	चंद्र	27/09/2088	मंगल	28/09/2106	राहु	05/09/2122

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 0 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।